प्रदर्शन

आप जिलाध्यक्ष बोले- मप्र में रेट 3337 रुपए तक पहुंचे, दुकानदारों का धंधा चौपट

कमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने का विरोध किया

नवभारत, बालाघाट। विदित हो कि जनविरोधी फैसले के चलते मोदी सरकार ने देशवासियों को महंगाई की मार का एक बड़ा तोहफा दिया है।

1 मई 2026 से लागू नई दरों के अनुसार, कमर्शियल गैस सिलेंडर (19 किलो) में ?993 की भारी बढ़ोतरी कर सिलेंडर की कीमत लगभग ?3337 कर दी गई है।इस ऐतिहासिक मूल्य वृद्धि से छोटे व्यापारियों, होटल और रेस्टोरेंट संचालकों की कमर टूट गई है।

आम आदमी पार्टी, मध्यप्रदेश प्रभारी माननीय जीतेंद्र सिंग तोमर जी के आदेशानुसार आम आदमी पार्टी मध्यप्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में इस जनविरोधी फैसले के खिलाफ जंगी प्रदर्शन कर कीमत बढ़ोतरी को वापस लेने की मांग कर रही है।

आम आदमी पार्टी जिला बालाघाट के तत्वावधान में महंगाई बढ़ाने वाले इस जनविरोधी फैसले के खिलाफ बालाघाट जिला मुख्यालय में जंगी प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शन मुख्यालय के प्रमुख चौराहे कालीपुतली चौक पर किया गया।उसके पश्चात नगरभ्रमण कर बस स्टैंड होते रानी अवंतीबाई चौक होते हुये कालीपुतली चौक पर समाप्त हुआ।उसके पश्चात प्रेसवार्ता की गई।

इस जंगी प्रदर्शन में आम आदमी पार्टी बालाघाट जिले के सभी प्रदेश एवं जिले के पदाधिकारी, समर्पित कार्यकर्ता एवं कमर्शियल सिलेंडर की बढ़ोतरी से पीढ़ित सभी सभी खाद्य संस्थानों के संचालक एवं कर्मचारी सहित प्रमुख रूप से

स्टेट कोऑर्डिनेटर रजनीश नायडू सहित मनोज पमनानी (प्रदेश संयुक्त सचिव), शिव जायसवाल (जिला अध्यक्ष), मस्तराम डाहारे (ग्रामीण जिला अध्यक्ष), अनिल ब्रम्हे (जिला सचिव), प्रदीप नागेश्वर (जिला संयुक्त सचिव), शंकर कंसरे (जिला किसानविंग), दिनेश बघेले (जिला मजदूर विंग), डॉ। भूनेश भारद्वाज (चिकित्सा विंग) मनोज चौहान (लेबरविंग), ऊषा नगपुरे (जिला महिलाविंग), देवानंद विश्वकर्मा (जिला सचिव परसवाड़ा), ज्ञानेश राणा (जिला सचिव शिक्षाविंग), ओमप्रकाश जायसवाल (शिक्षा विंग), अखिलेश लिल्हारे (संयुक्त सचिव परसवाड़ा), श्यामशंकर लिल्हारे, सीताराम डाहारे, वीरेंद्र पगाड़े, नागेंद्र पवार, भूमेश्वर बपेरे, विकास गेडाम (जि.सचिव परसवाड़ा)।

9 को नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ

बालाघाट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार जिले में आगामी 09 मई 2026 (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ सादे एवं गरिमामय समारोह में किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रात: 10:30 बजे जिला न्यायालय परिसर स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बालाघाट में होगा। इस दौरान न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, संबंधित विभागों के अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहेंगे। लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न प्रकार के लंबित एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का आपसी सहमति से त्वरित निराकरण किया जाएगा, जिससे समय एवं धन दोनों की बचत होगी और पक्षकारों को शीघ्र न्याय मिल सकेगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अधिक से अधिक नागरिकों से इस लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील की गई है।

उच्चस्तरीय पुल निर्माण स्थल का एसडीएम ने किया निरीक्षण

- अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश

नवभारत, बालाघाट। जिले के विकासखंड बालाघाट अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत नवेगांव से देवगांव मार्ग पर ग्राम लिंगा में निर्माणाधीन उच्चस्तरीय पुल के कार्य का 06 मई को एसडीएम श्री गोपाल सोनी द्वारा निरीक्षण किया गया। पुल के दोनों ओर एप्रोच रोड का कार्य प्रगति पर है, जहां घनी आबादी वाले क्षेत्र में कुछ स्थानों पर अतिक्रमण की स्थिति सामने आई है।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री सोनी ने संबंधित क्षेत्र के ग्रामीणों से चर्चा कर उन्हें अतिक्रमण हटाने के लिए समझाइश दी।

उन्होंने कहा कि यह कार्य शासन की महत्वपूर्ण योजना के अंतर्गत किया जा रहा है, जिससे क्षेत्रीय आवागमन सुगम होगा और विकास को गति मिलेगी। इसलिए सभी ग्रामीण सहयोग करें, ताकि निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण किया जा सके। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की महाप्रबंधक माया मनीष परते, उपयंत्री श्री रामनरेश यादव, पटवारी ग्राम लिंगा, ग्राम पंचायत के पंच भोलानाथ वामनकर, पूर्व सरपंच तुलसीराम कावरे, सहायक सचिव नरेश छिपकर सहित शांतिलाल दोनकर, आरिफ कुरेशी, सुका जी कावरे, आकाश शुक्ला, संतोष बढ़ई एवं अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों का टोंटा, स्वास्थ्य सेवाएं चरमराई

- महिला डॉक्टर नहीं होने से बालाघाट-नागपुर दौड़ रहे मरीज, दवाइयों की भी कमी
- डॉक्टर क्वार्टर्स पर पूर्व बीएमओ का कब्जा, ट्रांसफर के बाद भी जमा रखा है डेरा

नवभारत, कटंगी। नगर के वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी में लंबे समय से डॉक्टरों की कमी के चलते स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई हैं। डॉक्टरों की कमी और दवाइयों का टोटा मरीजों के लिए परेशानी का सबब बन गया है।

महिलाओं को रही परेशानी

अस्पताल में महिला डॉक्टर के पद पर कोई नियुक्ति न होने से क्षेत्र की महिलाओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रसव, स्त्री रोग और अन्य बीमारियों के इलाज के लिए महिलाओं को मजबूरन बालाघाट, तुमसर या नागपुर जाकर इलाज कराना पड़ रहा है। इससे गरीब मरीजों पर आर्थिक और मानसिक बोझ बढ़ गया है।

आने से कतरा रहे नये डॉक्टर

डॉक्टरों की कमी की एक बड़ी वजह आवास की समस्या भी है। स्वास्थ्य केंद्र परिसर में डॉक्टरों के लिए क्वार्टर्स तो बनाए गए हैं, किंतु उन पर पूर्व खंड चिकित्सा अधिकारी द्वारा कब्जा कर लिया गया है। सूत्रों के अनुसार, पूर्व अधिकारी यहां से स्थानांतरित होने के उपरांत भी यहीं डेरा जमाए हुए हैं और प्राइवेट प्रैक्टिस कर रहे हैं। क्वार्टर्स खाली न होने से नए डॉक्टर यहां आने से कतरा रहे हैं। रहने की व्यवस्था न होने के कारण कई डॉक्टरों ने जॉइन करने से इनकार कर दिया है।

बाहर से खरीदनी पड़ रहीं दवाईयां

अस्पताल में डॉक्टरों के साथ-साथ जरूरी दवाइयों की भी भारी कमी है। मरीजों को बाहर से महंगी दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ट्ट 'अस्पताल सिर्फ रेफर सेंटर बनकर रह गया है। मामूली बीमारी में भी बालाघाट रेफर कर दिया जाता है।' क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तत्काल डॉक्टरों की पदस्थापना की जाए, महिला डॉक्टर की नियुक्ति हो और डॉक्टर क्वार्टर्स को खाली कराकर नए डॉक्टरों के रहने की व्यवस्था की जाए। साथ ही दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि गरीब मरीजों को राहत मिल सके।

1552 किसानों से 37 हजार 775 क्विंटल गेहूँ की हुई खरीदी

नवभारत, बालाघाट। रबी विपणन मौसम 2026-27 के तहत जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन का कार्य किया जा रहा हैं। जिले में किसानो से समर्थन मूल ?य पर गेहूँ की खरीदी के लिए 13 केंद्र बनाये गए है। इन केंद्रो पर 15 अप्रैल 2026 से खरीदी प्रारंभ कर दी गई है।06 मई तक जिले के 1552 किसानों से 09 करोड 91 लाख 59 हजार 375 रुपए के 37 हजार 775 क्विंटल गेहूँ की समर्थन मूल ?य पर खरीदी की जा चुकी है। किसानों को अब तक 02 करोड 54 लाख रुपए से अधिक की राशि का भुगतान कर दिया गया है। जिले के 4388 किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ विक्रय के लिए अपना पंजीयन कराया है। जिला आपूर्ति अधिकारी आरके ठाकुर ने बताया कि इस वर्ष गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य बोनस सहित 2625 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित है।

झाडियों में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

नवभारत, खैरलांजी। रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम गर्राबोड़ी से मुरझड़ रोड़ किनारे पटबर्रा मैदान में 6 मई की सुबह एक युवक का शव मिला। जहाँ घटना से ग्रामीणों में हडक़ंप मच गया और मौके पर देखने वालो का हुजुम उमड़ पड़ा। मृतक युवक का नाम तरूण पिता टोपसिंह लिल्हारे उम्र 23 वर्ष, खैरलांजी निवासी बताया गया है। सुचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्डम के लिए भेजा गया।

जानकारी अनुसार, तरूण लिल्हारे खैरलांजी में वेल्ड़ीग की दुकान का संचालन करता था। परिजनों की माने तो 5 मई की शाम को दुकान बंद कर घर पहुंचा और रात्रि 10 बजे करीब शादी समारोह में जाने की बात कहकर बाईक लेकर घर से निकला था। लेकिन वह घर नहीं लौटा और 6 मई की सुबह गर्राबोड़ी के पास उसकी लाश देखी गई। जिसकी ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर 112 डायल पुलिस पहुंची। जिसके पश्चात एफएसएल टीम भी मौके पर बुलवाई गई।

मृतक तरूण के शरीर पर मारपीट के निशान है, बदन पर कपड़े नहीं थे और बाईक तरूण के उपर गिरी हुई थी। जिससे देख कर प्रतित होता हैं कि तरूण की पिटाई करके हत्या कर दी गई और फिर उसे इस स्थान पर लाकर फेक दिया है। फिलहाल, पुलिस ने पोस्टमार्डम रिपोर्ट के बाद ही स्तिथि साफ होने की बात कही है। यह मर्डर है या फिर कुछ और घटनाक्रम, अभी कुछ कहा नहीं जा सकता।

लेकिन घटना के बाद चर्चा बढ़ गई है कि तरूण का किसी युवती से प्रेमप्रंगस चल रहा था, और उसकी शादी थीं। जिससे मिलने के लिए वह रात्रि में गया हुआ था और उसकी बेदम पिटाई कर मौत के घाट उतार दिया गया। फिलहाल, पुलिस जांच के उपरांत ही कहा जा सकता हैं कि आखिर तरूण के साथ उस रात क्या हुआ.. ?

बालाघाट से मथुरा-वृंदावन के लिए रवाना होगी विशेष ट्रेन

- जुलाई में बालाघाट के 191 वृद्धजन को तीर्थ यात्रा कराने का लक्ष्य

नवभारत, बालाघाट। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के वरिष्ठ नागरिक जिनमें 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के व्यक्ति शामिल हो (महिलाओ को 02 वर्ष की छूट) तथा जो आयकर दाता नही हो को प्रदेश के बाहर स्थित विभिन्न तीर्थ स्थानों में से एक या युग्म तीर्थों की यात्रा सुलभ कराने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना लागू की गई है। इस योजना के अंतर्गत आगामी 25 जुलाई को बालाघाट से मथुरा-वृंदावन तीर्थ यात्रा के लिए विशेष ट्रेन रवाना होगी। इसमें बालाघाट जिले के 191 तीर्थ यात्री शामिल होंगे।

मथुरा-वृंदावन तीर्थ दर्शन यात्रा पर जाने के इच्छुक वरिष्ठ नागरिकों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए है। आवेदन पत्र आगामी 11 मई से तहसील कार्यालय, जनपद पंचायत कार्यालय एवं नगर पालिका कार्यालय में प्राप्त किये जाएंगे। आवेदन करने की अंतिम तिथि 11 जुलाई 2026 निर्धारित है। बालाघाट रेलवे स्टेशन से 25 जुलाई को विशेष ट्रेन मथुरा-वृंदावन तीर्थ यात्रा के लिए रवाना होगी। इस ट्रेन में मण्डला जिले के 196, जबलपुर जिले के 196 एवं कटनी जिले के 196 तीर्थ यात्री शामिल होंगे। मण्डला जिले के तीर्थ यात्री नैनपुर से इस ट्रेन में सवार होंगे। यह ट्रेन मथुरा-वृंदावन तीर्थ यात्रा के बाद 28 जुलाई को वापस बालाघाट पहुँचेगी।

तीर्थ यात्रा के दौरान यात्रियों को ठहरने एवं भोजन आदि की व्यवस्था शासन की ओर से की जाएगी। यात्रा प्रारंभ होने वाले स्थान तक यात्रियो को स्वयं के साधन एवं खर्चे से आना होगा। जिले के वरिष्ठ नागरिको से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि तक आवेदन कर ले। चूंकि इस योजना के तहत तीर्थ दर्शन के लिए 191 सीट निर्धारित है। निर्धारित तिथि के बाद आवेदन स्वीकार नही किये जा सकेंगे।

दीवारों पर 'स्वच्छता अभियान',बेहाल शहर खोल रहा स्वच्छता की पोल

- स्वच्छता के नाम पर भ्रष्टाचार का आरोप, वार्ड 12 की बदहाल नाली ने खोली हकीकत
- 40 साल पुरानी नाली में ठहरा सड़ा पानी, मच्छर-बीमारी का खतरा, अन्य वार्डों का भी बुरा हाल

नवभारत, कटंगी। एक ओर नगर परिषद कटंगी शहर को स्वच्छता का संदेश देने के लिए 'स्वच्छता ही सेवा' जैसे आकर्षक स्लोगन दीवारों पर लिखवा रही है, वहीं दूसरी ओर उसी संदेश के ठीक सामने जमीनी हकीकत बदबू और गंदगी से कराह रही है।

वार्ड 12 की नाली बनी नासूर

यह तस्वीर है वार्ड क्रमांक 12 के छतेरा मार्ग की, जहां लगभग 40 वर्ष पुरानी सार्वजनिक नाली आज

बदहाली की चरम स्थिति में पहुंच चुकी है। नाली में गंदा, सड़ा हुआ पानी भरा है जिसमें कचरा, प्लास्टिक और सड़न के कारण खतरनाक जीवाणु पनप रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस नाली में सांप-बिच्छू जैसे जीवों का भी खतरा बना रहता है। सबसे गंभीर बात यह है कि वार्डवासियों द्वारा कई बार नगर परिषद के अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन सफाई या मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। आरोप है कि नगर परिषद के इंजीनियर द्वारा आगे की नाली का लेवल इतना ऊंचा बना दिया गया है कि गंदा पानी आगे बह ही नहीं पाता। नतीजतन नाली में पानी का ठहराव हो गया है और यह लगभग 75% तक भर चुकी है।

तकनीकी खामी से बढ़ी मुसीबत

जानकारों के मुताबिक नालियों में पानी के सुचारू बहाव के लिए उचित ढाल और लेवलिंग बेहद जरूरी होती है, लेकिन यहां इन बुनियादी मानकों की अनदेखी साफ दिखाई दे रही है। स्थिति दिन-ब-दिन भयावह होती जा रही है। इस गंदे पानी से उठने वाली बदबू ने पूरे क्षेत्र का वातावरण दूषित कर दिया है। रुके हुए पानी से मच्छरों का प्रजनन तेजी से हो रहा है, जिससे डेंगू, मलेरिया और अन्य जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

तत्काल सुधार कराने की मांग

वार्ड के नागरिकों ने मांग की है कि इस नाली का तत्काल सुधार किया जाए और इसे आगे की नाली के स्तर के अनुरूप बनाया जाए, ताकि पानी का बहाव सुचारू हो सके। शहर के अन्य वार्डों की नालियों में भी सफाई नहीं की गई है तथा अनेक स्थानों पर कचरा-गंदगी से हाल बेहाल है।

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या नगर परिषद सिर्फ दीवारों पर स्वच्छता का संदेश लिखकर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान रही है, या फिर जमीनी हकीकत को भी सुधारने की दिशा में ठोस कदम उठाएगी शहरवासियों ने इसे 'स्वच्छता के नाम पर भ्रष्टाचार' करार दिया है।

'धरोहर की लड़ाई' : क्या विरासत संभालेंगे या औपचारिकता निभाकर लौट जाएंगे अजय सिंह?

नवभारत, बालाघाट। कभी मजबूत मानी जाने वाली भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राजनीतिक धरोहर आज बालाघाट में सवालों के घेरे में है। संगठन में लगातार बढ़ती निष्क्रियता, गुटबाजी और कार्यकर्ताओं की नाराज़गी ने पार्टी की जड़ों को कमजोर कर दिया है। ऐसे नाजुक दौर में 8 जून को पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह का दौरा अब एक 'टर्निंग पॉइंट' के रूप में देखा जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह दौरा केवल कार्यक्रम नहीं, बल्कि कांग्रेस की उस विरासत को बचाने की चुनौती है, जिसे वर्षों की मेहनत से खड़ा किया गया था। आज वही धरोहर बिखरती नजर आ रही है—न बैठकें, न सक्रियता, और न ही कार्यकर्ताओं में वह जोश।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या अजय सिंह जमीनी हकीकत को समझने के लिए कार्यकर्ताओं के बीच उतरेंगे, या फिर दौरा सिर्फ मंचीय भाषणों और औपचारिक मुलाकातों तक सीमित रहेगा। अगर संवाद खुला और सच्चा हुआ, तो संगठन की असली तस्वीर सामने आ सकती है।

जिले में लंबे समय से संगठनात्मक बदलाव की मांग उठ रही है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि जब तक नेतृत्व में बदलाव नहीं होगा, तब तक हालात सुधरना मुश्किल है। हालांकि, निर्णय का अधिकार शीर्ष नेतृत्व के पास है, लेकिन राहुल भैया की सिफारिशें इस दिशा में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

कार्यकर्ताओं की उम्मीदें और सियासी संदेश

यह दौरा सिर्फ बालाघाट तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश में एक सियासी संदेश देगा—क्या कांग्रेस अपनी धरोहर को बचाने के लिए सख्त कदम उठाने को तैयार है या नहीं।

8 जून का दिन बालाघाट कांग्रेस के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। यह तय करेगा कि पार्टी अपनी खोती हुई पहचान और धरोहर को फिर से मजबूत कर पाएगी या फिर यह दौरा भी सिर्फ औपचारिकता बनकर रह जाएगा।

जिला कांग्रेस में असंतोष, नेतृत्व परिवर्तन की उठी मांग

जिला में कांग्रेस संगठन को लेकर अंदरूनी असंतोष की खबरें सामने आ रही हैं। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय उइके कार्यशैली को लेकर अनेक पदाधिकारी ओर कार्यकताओं ने अखबार से बातचीत में नाराजगी जताई है।

विशेष सूत्रों से मिली जानकारी ओर नाम न छापने की शर्त में अनेक कांग्रेसियों ने आरोप लगाए गए है कि संगठन को मजबूत करने के लिए अपेक्षित सक्रियता अध्यक्ष की उपस्थिति कही नहीं दिख रही है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि जिले में नियमित बैठकों के साथ सामंजस्य भी तगड़ा अभाव है, जिससे संगठनात्मक ऊर्जा और समन्वय प्रभावित हो रहा है। ओर इसका सीधा प्रभाव आने वाले चुनाव में पड़ेगा । कई कार्यकर्ताओं का यह भी कहना है कि नेतृत्व स्तर पर संवाद की कमी के कारण जमीनी कार्यकर्ताओं में मायूसी का माहौल बन रहा है। उनका मानना है कि यदि समय-समय पर बैठकें और रणनीतिक चर्चाएं हों तो संगठन को अच्छी मजबूती मिल सकती है।

इसी बीच कुछ पदाधिकारी के साथ कार्यकर्ताओं ने पार्टी हाईकमान से नेतृत्व में बदलाव की मांग भी उठाई है। उनका कहना है कि संगठन को मजबूत करने के साथ नई ऊर्जा देने के लिए नए अध्यक्ष की नियुक्ति पर विचार किया जाना अति आवश्यक है । इसका दूसरा कारण यह भी है कि जिला अध्यक्ष बैहर विधानसभा के विधायक भी है जहां वे पिछले चुनाव में बड़े मुश्किल से ले दे कर ही अपनी हार को जीत में बदल पाए है और अब वो इस चुनाव में कोई जोखिम नहीं उठाना चाहते ।जिससे उनका अधिकतर समय अपने विधानसभा क्षेत्र में ओर कुछ समय दिल्ली भोपाल में गुजर जाता है तब वो जिले के हर क्षेत्र में संगठन को मजबूत करने हेतु पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे है । यदि समय रहते अध्यक्ष न बदले गए तो इसका खामियाजा आने वाले चुनाव में हर विधानसभा में देखने अवश्य ही मिलेगा ओर फिर वही कहावत चरितार्थ होगी कि अब पछताएं होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत ।

बालाघाट में कांग्रेस का 'महाभूकंप'! 2 विधायकों के भाजपा में जाने की अटकलों से सियासी पारा हाई

नवभारत, बालाघाट। जिले की राजनीति में इन दिनों भारी उथल-पुथल मची हुई है। कांग्रेस संगठन के भीतर चल रही खींचतान अब खुलकर सामने आने लगी है। चर्चाओं का बाजार गर्म है कि जिले के 2 कांग्रेस विधायक जल्द ही भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम सकते हैं। यदि ऐसा होता है, तो यह बालाघाट की राजनीति में बड़ा भूचाल साबित हो सकता है।

सूत्रों के मुताबिक, जिला कांग्रेस कमेटी पर कुछ विधायकों का पूरा नियंत्रण हो गया है। मंडल, ब्लॉक और बूथ स्तर तक संगठन को अपने हिसाब से ढाला जा रहा है। आरोप यह भी है कि इस पूरी प्रक्रिया में वर्षों से पार्टी के लिए समर्पित वरिष्ठ और कर्मठ कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर दिया गया है, जिससे जमीनी स्तर पर भारी नाराजगी पनप रही है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। कहा जा रहा है कि वे विधायकों के प्रभाव में आकर संगठन को संतुलित तरीके से नहीं चला पा रहे हैं। नतीजा यह हुआ कि पार्टी के भीतर गुटबाजी चरम पर पहुंच गई है और संगठन लगातार कमजोर होता जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर चुनाव से महज 6 महीने पहले विधायकों का दल बदल होता है, तो कांग्रेस के लिए यह बड़ा झटका होगा। इससे न केवल संगठन का मनोबल गिरेगा, बल्कि कार्यकर्ताओं में भी भ्रम और असंतोष बढ़ेगा, जिसका सीधा फायदा भाजपा को मिल सकता है।

वहीं, कांग्रेस हाईकमान की भूमिका अब बेहद अहम हो गई है। यदि समय रहते संगठन में बदलाव और असंतुष्ट नेताओं को साधने के प्रयास नहीं किए गए, तो बालाघाट में कांग्रेस का अस्तित्व संकट में पड़ सकता है।

फिलहाल, पूरे जिले की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या ये अटकलें हकीकत बनेंगी या कांग्रेस समय रहते हालात को संभाल पाएगी। आने वाले दिन बालाघाट की राजनीति के लिए निर्णायक साबित हो सकते हैं।